RNI NO. 45823/1986 REGISTRATION NO. DL(DS)-02/MP/2025-26-27. DL(ND)-11/6042/2024-25-26. LICENSED TO POST WPP NO U(C)-31/2024-26; FARIDABAD 46/2023-25 www.indiatodayhindi.com

एआइ-171 हादसाः जवाबों की तलाश

हिंदीः जबान की नई जंग | रियल एस्टेटः बिल्डर-बैंक निगल गए घर

25 जून, 2025 60 रुपए

इंडिया टुडे

प्लास्टिक का कहर

भारत प्लास्टिक से प्रदूषण फैलाने वाला दुनिया का सबसे बड़ा देश बना

हमारी सेहत के लिए इसके क्या मायने; और फिर उपाय क्या

अग्रिम सप्ताह के लिए प्रत्येक शनिवार को प्रकाशित; एलपीसी दिल्ली-आरएमएस-दिल्ली-110006 से प्रत्येक शनिवार और सोमवार को प्रेषित, कुल पन्नों की संख्या 72 (आवरण सहित) वर्ष 39, अंक 30

CamScanner

एमएससी एलसा 3

झंडा लाइबेरिया

मार्ग विझिंजम से कोच्चि

हादसा थोट्टापल्ली (अलप्पुझा) के पास समुद्र में डूब गया

तारीख 24-25 मई

माल 643 कंटेनर, जिनमें से 13 में प्लास्टिक नर्डल्स जैसा बेहद खतरनाक माल था. इसके अलावा, 367 में बेहद ज्वलनशील फर्नेस ऑयल और 84 टन डीजल था

टीमें अभी भी ईंधन टैंक से तेल रिसाव को रोकने के लिए जद्दोजहद कर रही हैं. लेकिन एक और बड़ा खतरा है—'प्लास्टिक नर्डल्स', ...स्टिक निर्माण में इस्तेमाल होने वाले ..., जो मछलियों की प्रजनन ऋतु ... गए हैं.

...ट अभी उस हादसे से उबरा भी ... समुंदर ने दूसरी चोट पहुंचा दी. 9 जून को सिंगापुर के झंडे वाला जहाज *एमवी वान हाइ 503*, जो 650 कंटेनरों के साथ एक चलता-फिरता गोदाम था, अझिक्कल तट (कुन्नूर) से 43 समुद्री मील दूर विस्फोट और आग की चपेट में आ गया. यह जहाज कोलंबो से मुंबई जा रहा था. इसमें 22 सदस्य थे, जिनमें से चार लापता हैं और 18 में से दो गंभीर रूप से जल गए हैं. तटरक्षक बल की पांच नौकाएं और नौसेना का *आइएनएस सूरत* मदद के लिए भेजे गए, मगर ज्वलनशील माल जैसे नाइट्रोसेल्यूलोज, बेंजोफेनोन, मैग्नीशियम, टर्पेंटाइन, एथनॉल वगैरह से लगी आग बुझने का नाम नहीं ले रही थी. इसके साथ ही जहाज पर मौजूद 2,000 टन समुद्री तेल, 240 टन डीजल और 32 टन शराब एक विनाशकारी मिश्रण बन गए, रक्षा प्रवक्ता कमांडर अतुल पिल्लै ने *इंडिया टुडे* को बताया, "हमारी प्राथमिकता बचाव कार्य करना और तेल रिसाव को न्यूनतम रखना है. यह बहुत चुनौतीपूर्ण काम है."

हादसे के बाद

कोच्चि में प्रशासनिक तंत्र अब सक्रिय हो गया है. मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने दो उच्चस्तरीय समितियां बनाई हैं—एक राज्य स्तर पर और दूसरी जिला स्तर पर—जो राहत कार्य और पर्यावरणीय आकलन का समन्वय करेंगी. मुख्य सचिव ए. जयतिलक ने बताया, "राज्य ने समुद्री दुर्घटनाओं से निबटने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए हैं और पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का अध्ययन किया जा रहा है. अब हमारी प्राथमिकता फौरन नुक्सान का आकलन करना और तटीय समुदायों को राहत देना है." थोड़ी हिचकिचाहट के बाद, राज्य ने *एमएससी एलसा 3* के संचालक—जिनेवा स्थित मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी—के खिलाफ फोर्ट कोच्चि तटीय थाने में आपराधिक मामला भी दर्ज किया है.

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की शुरुआत और 10 जून से राज्यव्यापी ट्रॉलर बैन के बीच, ये दोनों हादसे केरल की 11.3 लाख मछुआरों की आबादी के लिए दोहरा झटका हैं. ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस के राज्य अध्यक्ष टी.जे. अंजालोज कहते हैं, "इन जहाज दुर्घटनाओं ने मछुआरों की परेशानियां बढ़ा दी हैं. उन्हें मछली से ज्यादा अब समुद्र में प्लास्टिक मिल रहा है. राज्य को उनके नुक्सान की भरपाई करनी चाहिए और शिपिंग महानिदेशालय से पूरी जांच की मांग करनी चाहिए."

अब क्या होगा

- **तेल रिसाव और अन्य खतरों को रोकने के लिए बचाव अभियान**
- **तटीय प्रदूषण का वैज्ञानिक आकलन**
- **कानूनी कार्रवाई और समुद्री सुरक्षा नियमों को सख्त करना**
- **मछुआरों को मुआवजा और लंबे समय तक सहयोग**

समुद्र से सटे इस राज्य में मछली मुख्य रूप से खाई जाती है. ऐसे में तटों पर आ रही जहरीली गंदगी को लेकर चिंता और गहराती जा रही है. कोच्चि स्थित केरल यूनिवर्सिटी ऑफ फिशरीज ऐंड ओशन स्टडीज (केयूएफओएस) की डॉ. अनु गोपीनाथ ने चेताया है कि इसके गंभीर दीर्घकालिक परिणाम हो सकते हैं. वे कहती हैं, "हमें इन जहाजों के डूबने से होने वाले प्रभावों की गहन निगरानी करनी ... *हाइ* जहाज में कई ज्वलनशील ... रसायन थे, जिनमें कीटनाशक ... हैं, जो जलीय जीवन प्रणाली ... से प्रभावित कर सकते हैं." पह... *एलसा 3* की वजह से प्रदूषण का अध्ययन कर रहा सेंट्रल मरीन फिशरीज रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमएफआरआइ) अब *वान हाइ* के आसपास के इलाके में भी समुद्री जल के नमूने लेकर हानिकारक रसायनों की जांच कर रहा है.

एक तरफ बचाव टीमें वक्त और लहरों से जूझ रही हैं, वहीं केरल खुद को एक अहम मोड़ पर खड़ा पा रहा है. केरल मैरीटाइम बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष वी.जे. मैथ्यू कहते हैं कि विझिंजम बंदरगाह के विस्तार को देखते हुए, राज्य को एक स्थायी समुद्री निगरानी प्रणाली और सख्त कानूनी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए. वे कहते हैं, "शिपिंग कंपनियों को जिम्मेदार ठहराना चाहिए." मौजूदा संकट समय के साथ बीत जाएगा, जैसा हर संकट गुजरता है, लेकिन अगर अभी सुधार नहीं किए गए—खतरनाक माल की आवाजाही पर सख्त नियम और दीर्घकालीन पारिस्थितिकी निगरानी तंत्र नहीं बनाए गए—तो केरल के नाजुक समुद्री पारिस्थितिक तंत्र और उस पर निर्भर जिंदगियां बार-बार इसी तरह की त्रासदी झेलने को मजबूर होंगी. ■

CamScanner

साकार हो रहा अन्त्योदय का सपना

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण
अन्न योजना से
15 करोड़
लोगों को मुफ्त
राशन का उपहार

गरीब कल्याण

- प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण-शहरी) : 56 लाख+ आवासों का निर्माण
- प्रधानमंत्री जन धन योजना : 9 करोड़ से अधिक लोगों का खुला बैंक खाता
- पीएम स्वनिधि योजना : 1,80,000+ स्ट्रीट वेंडर्स को ₹3,000 करोड़+ का ऋण
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना : 7,000 किमी से अधिक मार्गों का निर्माण
- हर घर जल योजना : 2.39 करोड़+ परिवारों को नल से स्वच्छ पेयजल की सुविधा
- मनरेगा : 200 करोड़+ मानव दिवस सृजित, 100 दिन का रोजगार देने में प्रथम
- प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना : 1.50 करोड़ से अधिक लोगों को बीमा कवर
- प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजना : 50 लाख लोगों को 35,000 करोड़ का ऋण वितरित
- प्रधानमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना : 3,68,412 शिल्पकारों को रोजगार
- जीरो पॉवर्टी अभियान : ग्राम पंचायत के 25 परिवारों की वार्षिक आय में ₹1,25,000 वृद्धि

काम दमदार - डबल इंजन सरकार

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

CamScanner